वागड़ संदेश

Tital Code : RAJHIN27802

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com

सम्पर्क

ई-पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई-मेल - editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-1 अंक-121 सागवाड़ा, शनिवार, 1 जनवरी, 2022 अवधि: हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

न्यू ईयर पर ओमिक्रॉन विस्फोट

जयपुर। राजस्थान में नए साल के पहले दिन ही ओमिक्रॉन का बड़ा विस्फोट हुआ है। एक साथ 52 केस नए वैरिएंट के मिले हैं। इनमें 38 जयपुर से हैं। प्रतापगढ़, सिरोही और बीकानेर में 3-3, जोधपुर में 2 और अजमेर, सीकर, भीलवाड़ा में 1-1 केस मिले। जानकारी मिली है कि ओमिक्रॉन के नए संक्रमितों में 9 विदेश यात्रा से लौटे हैं। 12 मरीजों ने दूसरे राज्यों की यात्रा की, जबकि दो ओमिक्रॉन मरीजों के संपर्क में आकर और 4 विदेश यात्रा से लौटे मरीजों के संपर्क में आने से संक्रमित हुए हैं। अन्य संक्रमितों की ट्रेवल हिस्ट्री का कोई पता नहीं चला है। इसी के साथ प्रदेश में ओमिक्रॉन से अब तक 121 पॉजिटिव हो चुके हैं। इनमें से 61 मरीज रिकवर हो चुके हैं। ओमिक्रॉन संक्रमितों के मामले में देश में राजस्थान तीसरे नंबर पर आ गया है। महाराष्ट्र में 454, दिल्ली में 351 मरीज है। राजस्थान के अलावा केरल, गुजरात और तमिलनाडु ऐसे राज्य है जहां ओमिक्रॉन पॉजिटिव की संख्या 100 के पार है।

पालिकाध्यक्ष खोडनिया की शहर को नए साल की सौगात, 3 करोड़ के कार्य होंगे

जनजाति भागीदारी योजना- शहर में सड़क, नाली, लाइब्रेरी, शमशान घाट, शौचालय जैसै कार्य होंगे

सागवाड़ा। नगर पालिका अध्यक्ष नरेंदर खोडनिया ने शहर वासियों को नए साल की सौगात दी है। नव वर्ष में शहर में 3 करोड़ रुपये के कार्य होंगे।

पालिकाध्यक्ष खोडनिया ने जनजाति भागीदारी योजना के तहत शहर में 17 कार्यों की स्वीकृति जारी की है। पालिकाध्यक्ष नरेंद्र खोडनिया ने बताया कि सीएम अशोक गहलोत ने प्रदेश के जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए जनजाति भागीदारी योजना के प्रारूप को मंजूरी दी थी।

खोडनिया ने बताया कि इसके तहत जनजाति समुदाय के विकास के लिए उनकी आवश्यकता के अनुरूप काम करवाए जा सकेंगे. इनमें सामुदायिक संपत्तियों का निर्माण और मरम्मत, प्रोन्नति और संरक्षण के साथ-साथ रोजगार पैदा करना, कौशल प्रशिक्षण, डेयरी, पशुपालन आदि क्षेत्रों से संबंधित काम शामिल होंगे। इस योजना में किए जाने वाले काम और गतिविधियों के लिए जरूरी राशि का कम से कम 30 प्रतिशत हिस्सा जन सहयोग, स्वयंसेवी संस्थाओं, दानदाताओं या अन्य किसी सरकारी योजना, कार्यक्रम अथवा फंड से उपलब्ध कराना होगा। इसी के तहत 90 लाख रुपये नगर पालिका खर्च करेगी।

यह है जनजाति भागीदारी योजना

वर्ष 2021-22 हेतु जनजाति भागीदारी योजना में 1000.00 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है। इस योजना के तहत विभिन्न प्रकार के कार्य एवं गतिविधियां जनजाति समुदाय की आवश्यकता के अनुरूप करवाए जा सकेंगे। योजना के तहत वे कार्य ही अनुमत होगे जिनके माध्यम से लाभान्वित होने वाली जनसंख्या कम से कम 50 प्रतिशत भाग जनजाति समुदाय का हो।

इस तरह के कार्य होंगे

विद्यालय छात्रावास, चिकित्सा केंद्र, आंगनबाड़ी केंद्र, मां-बाड़ी केंद्र, सड़क-पुलिया, जल संग्रहण ढांचे, एनिकट, पेयजल योजना, सामुदायिक शौचालय, बस स्टैण्ड आदि के निर्माण एवं मरम्मत, बल्क कूलर की स्थापना, हैचरी प्लांट, विभिन्न प्रकार के कोचिंग एवं प्रशिक्षण जैसे कार्य इस योजना के तहत हो सकेंगे। योजना के तहत वे कार्य ही अनुमत होंगे, जिनके माध्यम से लाभान्वित होने वाली जनसंख्या का कम से कम 50 प्रतिशत भाग जनजाति समुदाय का हो।

शहर में यह कार्य होंगे

1- गियो का वेला श्मशान घाट जीर्णोद्धार- 15 लाख
2- गामठवाड़ा श्मशान घाट जीर्णोद्धार- 15 लाख
3- पुनर्वास कालोनी श्मशान घाट जीर्णोद्धार- 15 लाख
4- 132 केवी स्टेशन के पास श्मशान घाट जीर्णोद्धार- 15 लाख
5- हरिजन बस्ती के पास श्मशान घाट जीर्णोद्धार- 15 लाख
6- आडीवाट मे श्मशान घाट जीर्णोद्धार- 15 लाख
7- डगबरवाड़ा में श्मशान घाट जीर्णोद्धार- 15 लाख
8- कंसारो की माता में श्मशान घाट जीर्णोद्धार- 15 लाख
9-रोडवेज बस स्टैंड में सामुदायिक शौचालय मरम्मत- 15 लाख
10- नेहरू मार्केट में सामुदायिक शौचालय मरम्मत- 10
11- रामपार्क के पास सामुदायिक शौचालय मरम्मत- 10
12- पवन रोत के मकान से तलैया फला मुख्य मार्ग का कार्य- 15 लाख
13- एकलव्य कालोनी में सड़क निर्माण और मरम्मत- 10 लाख
14- भीमकावड़ से हरियाला तक सीसी सड़क- 20 लाख
15- प्रताप रोत के मकान से कांतिलाल डामोर के मकान तक- 10 लाख
16- किरण तालाब से पन्नालाल डेंडोर के मकान तक सीसी सड़क और पुलिया निर्माण- 60 लाख
17- शहर में लाइब्रेरी निर्माण- 30 लाख

कांग्रेस की गुटबाजी - एक गुट पर पार्टी को कमजोर करने का आरोप

- पूर्व सांसद भगोरा के जन्मदिन और नववर्ष पर आयोजित हुआ सम्मेलन, कांग्रेस के एक गुट पर पार्टी को कमजोर करने के आरोप लगाए
- सम्मेलन में उमड़े कार्यकर्ता, उदयपुर संभाग से आदिवासी नेता को ही राज्यसभा में भेजने की मांग

डूंगरपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव एवं पूर्व सांसद ताराचंद भगोरा के जन्मदिन तथा नववर्ष के उपलक्ष्य में शनिवार को सीमलवाड़ा में कार्यकर्ता स्नेह मिलन सम्मेलन आयोजित हुआ। मंच से कांग्रेस वक्ताओं ने खुब आक्रोश उगला। सम्मेलन में जिले में नेतृत्व कर रहे एक गुट के खिलाफ खुब व्यंग्य बाण चलाएं गए। सम्मेलन के वक्ताओं ने एक स्वर में पूर्व सांसद ताराचंद भगोरा को राज्यसभा भेजने और आगामी चुनाव में विधायक बनाकर जयपुर भेजने की मांग उठाई। जानबुझकर एक गुट विशेष ने भगोरा को कमजोर करने का प्रयास किया है। कांग्रेस का नेतृत्व ताराचंद भगोरा ही करें, तभी इस क्षेत्र में पार्टी पुर्नजीवित हो सकेगी। वक्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से हम पुछेंगे कि एक व्यक्ति को उदयपुर संभाग का मुख्यमंत्री क्यों बना डाला है। आज पार्टी का आम कार्यकर्ता उनके कांचवाले कार्यालय में जाने से कतराता है। वल्लभनगर और धरियावाद सीट जीताने के दावे करने वाले डूंगरपुर जिले की तीन विधानसभाएं क्यों नहीं जीता पाएं। कांग्रेस का आम कार्यकर्ता जिला प्रमुख-प्रधान चुनाव में हुए कमल-कांग्रेस के समझौते को नहीं स्वीकार नहीं कर पा रहा है। गांधी की विचारधारा गोड़से की विचारधारा से कैसे मेल खा सकती है।

सम्मेलन को कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य और पूर्व सांसद रघुवीर सिंह मीणा ने संबोधित किया और कहा कि कोरोना और मोदी दोनों देश के लिए खतरनाक है। जनता भाजपा और मोदी के बहकावे में नहीं आएं। मीणा ने कहा कि अच्छे दिनों का वादा कर सत्ता में आएं लोगों अच्छे दिन तो आएं ही नहीं, अब पुराने दिन ही लौटा दों। पूर्व सांसद ताराचंद भगोरा ने संबोधित करते हुए कहा कि पंचायती राज चुनाव में जो कुछ हुआ, शर्मनाक है। डूंगरपुर कांग्रेस ने जो समझौता किया उसके चर्चे कलकत्ता और बंगाल तक है। भगोरा ने कहा कि भाजपा आज कांग्रेस के विकास पर अंगुली उठा रही है। देश के विकास को बेच देने वाली भाजपा का एजेंडा ही जाति-धर्म और मजहब के नाम पर राजनीति रहा है। हितेश पाटीदार वांदरवेड़ ने कहा कि पाड़वा गांव में पाटीदार समाज के मंच से मर्यादा में रहने और मर्यादा नहीं चुकने की नसीहत देने वाले स्वयं मर्यादा में रहना सीखे। पाटीदार ने बिना नाम लिए कहा कि पाटीदार समाज के कार्यक्रम में मर्यादा की बात करने वाले किसे सीख दे रहे थे। हम भगोरा के नेतृत्व में पार्टी का काम करेंगे, कल को हमारे साथ कुछ हो तो भी हम डरने वालों में नहीं है। पूर्व ब्लाक अध्यक्ष नागेंद्र सिंह ठाकरड़ा ने कहा कि पंचायती राज चुनाव के तहत हुए जिला प्रमुख-प्रधान चुनाव में जो कुछ हुआ, कांग्रेस के लिए ठीक नहीं है। कुछ लोगों ने मिलकर कांग्रेस की संस्कृति ही बदल डाली। कांग्रेस और भाजपा के बीच समझौता हो गया। भाजपा की जिला प्रमुख और प्रधान बिठा दिए। उन्होंने कहा कि यह समझौता कांग्रेस को ताकत नहीं दे सकता। आगामी चुनाव ताराचंद भगोरा के नेतृत्व में लड़ा जाएं। भगोरा को राज्यसभा भेजा जाएं और विधानसभा चुनाव में जयपुर भेजकर मंत्री बनाया जाएं तभी कांग्रेस मजबूत होगी। नागेंद्र सिंह ने कहा कि उदयपुर संभाग से आदिवासी नेता ही राज्यसभा में भेजा जाएं तभी कांग्रेस को जीवनदान मिलेगा। वालजी पाटीदार लीलवासा ने कहा कि जिले के एक या दो नेता ही पार्टी को खत्म करने का प्रयास कर रहे है। कुछ लोग तो मान रहे है कि वे ही नेता है। पाटीदार ने कहा कि ताराचंद भगोरा ने 36 कौम के भले के लिए काम किया। उनके नेतृत्व में ही कांग्रेस पार्टी खड़ी हो सकती है। कपिल भट्ट ने कहा कि कांग्रेस का आम कार्यकर्ता आज हताश है। मुख्यमंत्री ही बताएं कि क्यों एक व्यक्ति को उदयपुर संभाग का मुख्यमंत्री बनाकर बैठा दिया है। जिनकी नैतिकता नहीं है और जिनका चरित्र नहीं है, ऐसे व्यक्तियों में हम कतई समर्थन नहीं देंगे। पूर्व सांसद ताराचंद भगोरा सभी को साथ लेकर चल रहे है, हम उनके नेतृत्व में काम करेंगे। पंचायती राज में सबकुछ बेच दिया और समझौता कर दिया। आज हमारा प्रधान और प्रमुख नहीं है। आम कार्यकर्ता भटक रहा है। सभी जानते है कि डूंगरपुर कांग्रेस की स्थिति बूरी करने में किसका हाथ है। कार्यकर्ता और जनता जिले और संभाग की राजनीति को समझ रही है। क्या राजस्थान के मुख्यमंत्री को समझ में नहीं आ रहा कि एक आदमी जिसे संभाग का मुख्यमंत्री बनाकर बैठा दिया है, उसने संभाग को तहस-नहस कर दिया।

एडवोकेट बालगोविंद पाटीदार ने कहा कि पूर्व सांसद ताराचंद भगोरा वागड़ के लोगों के दिलों में है। उन्होंने विकास के लिए काम किया और लोगों के दिलों में जगह बनाई।

पूर्व पालिकाध्यक्ष पवन गोवाडिया ने कहा कि ताराचंद भगोरा सर्वमान्य नेता है। सभी वर्गो को साथ लेकर भगोरा जी ने राजनीति की है। कांग्रेस का आम कार्यकर्ता भगोरा के नेतृत्व में ही काम कर सकता है।

एडवोकेट लालशंकर पाटीदार ने कहा कि पंचायती राज चुनाव में गांधी की विचारधारा का गोडसे की विचारधारा से मेल करवा दिया। यह समझौता कांग्रेस के कार्यकर्ता को मंजूर नहीं है। यह बात सीएम तक पहुंचाई जाएं। उन्होंने कहा कि ऐसे नेता है जो दूसरे विधानसभा क्षेत्र में चुनाव जीता सकते है, लेकिन डूंगरपुर में चुनाव नहीं जीता सकते। कांग्रेस कार्यकर्ता उनके कांचवाले कार्यालय में जाने से कतराता है।पूर्व प्रधान और एआईसीसी महिला विंग की विधि कार्डिनेटर एडवोकेट निमिषा भगोरा ने कहा कि पूर्व सांसद ताराचंद भगोरा तीन दशक से राजनीति में है। आज वे पद पर नहीं है, लेकिन जनता के बीच है। आज भी वे मोबाईल पर जनता के दर्द में शामिल होते है।

देश की पहली आदिवासी मॉडलिंग डॉक्टर दिव्यानी कटारा का स्वागत

सीमलवाड़ा। देश की पहली आदिवासी मॉडलिंग डॉक्टर दिव्यानी कटारा का सीमलवाड़ा पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। दादा साहेब फाल्के फैशन अवार्ड से सम्मानित डॉक्टर दिव्यानी कटारा का अखिल भारतीय कॉन्ग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य रघुवीर मीणा, पूर्व सांसद ताराचंद भगोरा, पूर्व विधायक शंकरलाल अहारी, राष्ट्रीय विधि कोऑर्डिनेटर निमिषा भगोरा समेत ने शाल ओढ़ाकर एवं पगड़ी पहनाकर भव्य स्वागत किया। वही रघुवीर मीणा ने कहा कि देश की लाडली बिटिया ऐसे ही देश का नाम रोशन करती रहे जिससे समाज की अन्य बेटियों को मार्गदर्शन मिले। दिव्यानी कटारा ने कहा कि मुंबई में फिल्म इंडस्ट्री में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, वही दादासाहेब फालके फैशन अवार्ड समेत चार अवार्ड वह पा चुकी है ।

वागड़ की धरा पर जन्मी दिव्यानी कटारा ने कहा कि वह इस वागड़ की धरती पर भव्य स्वागत होने पर काफी गदगद हैं। कटारा क्षेत्र के गुंदीघाटा की रहने वाली है।

कड़ाके की सर्दी के साथ नए साल की शुरुआत

कोटा। कोटा संभाग में नए साल की सुबह कड़ाके की सर्दी के साथ हुई। शीतलहर के कारण लोगों में कंपकंपी छूटती रही। सुबह 11 बजे तक बादल छाए रहे। हालांकि नववर्ष के चलते लोग जल्द तैयार होकर धार्मिक स्थलों पर दर्शनों के लिए पहुंचे। हालांकि कई लोगों की दिनचर्या देरी से शुरू हुई। सर्दी के कारण घरों में पकवानों का जायजा बदला गया। सर्दी के कारण बाजारों व फुटपाथों में दुकानों पर ऊनी वस्त्र खरीदने वालों की भीड़ लगी रही। लोग दिनभर गर्म कपड़ों में लदे नजर आए। टंकियों का पानी बर्फ की तरह बना हुआ है। दोपहर में जरूर तेज धूप खिली। इससे गलन से थोड़ी राहत रही, लेकिन शाम ढलने के बाद सर्दी का असर वापस बढ़ गया। सर्दी के चलते व्यापारी अपने प्रतिष्ठान जल्दी बंद कर घर लौट गए।

घरों व बाजारों में लोग अलाव जलाकर सर्दी से बचने का जतन करते भी दिखे। शीतलहर से बीते दो-तीन से गिर रहा पारा शनिवार को कुछ चढ़ गया।

कमलेश भाई शास्त्री की 3 से उज्जैन में होगी रामकथा

सागवाड़ा। राम कथा वाचक कमलेश भाई शास्त्री की महाकाल की नगर में रामकथा होगी। उज्जैन में 3 जनवरी से रामकथा होगी जो 11 जनवरी तक चलेगी।कमलेश भाई शास्त्री 2 जनवरी को उज्जैन के लिए रवाना होंगे। 9 दिवसीय राम कथा झालरीया मठ, नृसिंह घाट के पास होगी।

हथाई में खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

गणेशपुर। दोवड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत हथाई में पाटीदार प्रगति मण्डल चोखला हथाई खेलकूद प्रतियोगिता का समापन हुआ। नवा घरा हथाई के खेल मैदान पर आयोजित समापन एव पुरस्कार वितरण समारोह की अध्यक्षता पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष वेलजी पाटीदार ने की। मुख्य अतिथि डीएसपी मनोज सामरिया थे। विशिष्ट अतिथि दोवड़ा थानाधिकारी कमलेश चौधरी, युवा मोर्चा देवसोमनाथ मण्डल अध्यक्ष कांतिलाल पाटीदार, प्रेम कुमार पाटीदार, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष महेन्द्र पाटीदार, मनोज पाटीदार, पूंजीलाल परमार और गजेंद्र कलाल थे।अतिथियों ने क्रिकेट में विजेता गणेशपुर टीम को प्रतीक चिन्ह और ट्राफी देकर सम्मानित किया। स्वागत उदबोधन जगदीश पाटीदार भचड़िया ने किया। आभार बीजेपी किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष नाथू भाई पाटीदार ने माना।

इस अवसर पर भूरालाल पाटीदार बेड़ा डूंगरी, भानजी पाटीदार, गोकलजी पाटीदार, बालकृष्ण पाटीदार,मोगजी पाटीदार, रामलाल पाटीदार वाड़ा, रमेश पाटीदार टाटिया, देवेंग पाटीदार सत्तू, समेत सेकड़ो समाज जन उपस्थित रहे।समारोह का संचालन रामलाल पाटीदार खेमपुर ने किया।

टीकाकरण के लिए 15-18 साल के किशोरों का शुरू हुआ रजिस्ट्रेशन

बच्चे सुरक्षित, तो ही देश का भविष्य सुरक्षित: मंडाविया

नई दिल्ली। दिल्ली में 15-18 आयु वर्ग के बच्चों के टीकाकरण के लिए पंजीकरण शनिवार से शुरू हो गया, क्योंकि यहां के केंद्रों ने तीन जनवरी से किशोरों का टीकाकरण शुरू करने की तैयारी कर ली गयी है। सूत्रों द्वारा साझा किए गए आधिकारिक दस्तावेजों के मुताबिक भारत के महापंजीयक के आंकड़ों के अनुसार इस श्रेणी में टीकाकरण कराने वाले किशोरों की संख्या 10 लाख है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम रोज तीन लाख लोगों का टीकाकरण कर सकते हैं। मौजूदा समय में दैनिक आधार पर एक से डेढ़ लाख लोगों का टीकाकरण किया जा रहा है। अगर जरूरत पड़ी तो हम क्षमता बढा सकते हैं। बच्चों के टीकाकरण का जहां तक सवाल है, हमलोग 10 से 15 दिन की अवधि के भीतर उनलोगों का टीकाकरण कर सकते हैं।''

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने ट्विटर के माध्यम से लोगों से अनुरोध किया कि वह टीकाकरण के लिए अपने परिवारों के पात्र किशोरों का पंजीकरण कराएं। उन्होंने ट्वीट किया, ''नववर्ष के अवसर पर आज (शनिवार) से 15 वर्ष से 18 वर्ष की आयु के बच्चों के कोविड-19 रोधी टीकाकरण के लिए कोविन पोर्टल पर पंजीकरण शुरू किया जा रहा है। मेरा परिजनों से आग्रह है कि पात्र बच्चों के टीकाकरण के लिए उनका पंजीकरण कराएं।'' मंत्री ने ट्वीट किया सबको टीका, मुफ्त टीका। उल्लेखनीय है कि 15 वर्ष से 18 वर्ष के लाभार्थियों के लिए टीकाकरण तीन जनवरी से शुरू हो जाएगा। किशोरों को लगने वाले टीकों और साठ साल या उससे अधिक आयु के लोगों को दिये जाने वाली एहतियाती खुराक संबंधी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशा निर्देश के अनुसार 15-18 आयु वर्ग के लाभार्थियों के लिए टीके का विकल्प केवल कोवैक्सीन होगा।

तीसरी लहर में राजस्थानी कितने सेफ?

जयपुर। राजस्थान में कोरोना की तीसरी लहर के खतरे के बीच राहत की खबर है। राज्य सरकार की ओर से पिछले दिनों 14 जिलों में कराए गए सीरो सर्वे (सेरोलॉजी टेस्ट) में 90 प्रतिशत से ज्यादा लोगों में कोरोना से लड़ने की एंटीबॉडी मिली है। वैक्सीन की दोनों डोज ले चुके उनमें एंटीबॉडी का लेवल 91 फीसदी और जिन्होंने वैक्सीन नहीं लगवाई उनमें नेचुरल एंटीबॉडी का लेवल 74 फीसदी तक मिला है। सर्वे की ये रिपोर्ट दर्शाती है कि प्रदेश अब हर्ड इम्यूनिटी की ओर बढ़ रहा है। एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सुधीर भंडारी ने बताया कि ये सर्वे करीब 17 हजार लोगों पर करवाया गया था, जिसमें हर वर्ग के लोगों को शामिल किया गया था। शहरी क्षेत्र में 91 फीसदी और ग्रामीण क्षेत्र में 89 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी का लेवल काफी अच्छा है। हेल्थ केयर वर्कर्स, फ्रंट लाइन वर्कर्स में भी एंटीबॉडी का लेवल 90 फीसदी तक मिला है। हालांकि एक्सपर्ट्स का कहना है कि एंटीबॉडी विकसित होने का मतलब यह नहीं है कि हम लापरवाह हो जाए। एंटीबॉडी विकसित होने का मतलब यह नहीं है कि आपको कोरोना नहीं हो सकता। कोविड प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन और पूरी सावधानी बरतने की जरूरत है। सर्वे में कई बच्चों के भी सैंपल लिए गए, जिसमें 75 फीसदी बच्चों में एंटीबॉडी मिली है, जो नेचुरली बनी है। डॉ. भण्डारी ने बताया कि अभी तक 18 साल से कम एज ग्रुप के बच्चों का वैक्सीनेशन नहीं हुआ है। ये वे बच्चे हैं जो पहली या दूसरी लहर में कभी न कभी बीमार हुए और उसके बाद खुद ही रिकवर हो गए। डॉ. भण्डारी ने बताया कि राजस्थान में दिसंबर के अंदर एसएमएस मेडिकल कॉलेज में 1648 सैंपल की जीनोम सिक्वेंसिंग के टेस्ट करवाए गए। इनमें सबसे बड़ी बात जो निकलकर आई है वह यह है कि राज्य में अब भी डेल्टा के ही सबसे ज्यादा मामले मिल रहे हैं। इन रिजल्ट में 87 फीसदी व्यक्तियों में डेल्टा और डेल्टा से मिलते-जुलते वायरस की पहचान हुई है। संख्या में देखे तो 917 मामले डेल्टा के हैं, जबकि 518 मामले डेल्टा लाइक के मिले हैं। इसके अलावा 29 मामले एल्फा के, 18 मामले कप्पा के और 69 मामले ओमिक्रॉन वैरिएंट के हैं। शेष अन्य वैरिएंट से जुड़े हैं।